सही है। वो यह जानता है कोई है जो सब पर राज्य करता है। मनुष्य को एक पुढारी की जरूरत है। परमेश्वर का वचन यह साबित करने की कोशीश नही करता की एक खुदा है,कई बार जीवन में मनुष्य एसी अवस्था में पहुँता है जब उसे इस बात का अहसास होता है कि उसे परमेश्वर की जरुरत है।
(मृत्यु के करीब अवस्था बहुत ही दुख मे) वह केवल यह बताता है की परमेश्वर है क्योंकि सारे जहान में मनुष्य जानता है की परमेश्वर है। परमेश्वर का वचन हमे बताता है की एकही संच्चा परमेश्वर है। "परमेश्वर हमारा प्रभु एक ही है" ।(व्यवस्था 6:4) (मरकुस 12:29) यशयाह 44:6ब में लिखा है "मुझे छोड कोई परमेश्वर नही है" परमेश्वर सबके उपर है, वह ही एक परमेश्वर है।

"मणुष्य केवल रोटी ही से नही परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलती है जीवित रहेगा" मत्ती 4:4

मित्रो मनुष्य आज रोटी के लिए भागदोड कर रहा है। सुबह से लेकर शाम तक परिश्रम किए जा रहा है। केवल रोटी के लिए परन्तु स्वय यीशु मसीह ने सीधे शैतान से बात करते वक्त कहा कि मनुष्य केवल रोटी से जीवित नही रहेगा परन्तु परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा। हम वचन कि महत्वपूर्णता को समझने की कोशिश करेंगे। बाइबल के वचन को कई बातो को आपके लिए प्रगट करना चाहती हुं।

परमेश्वर का वचन

1.परमेश्वर का वचन तलवार के समान है। मत्ती 10: 34–39

2.परमेश्वर का वचन आग के समान है। यिर्मयाह 23:29

3.परमेश्वर का वचन हथोडे के समान है। यिर्मयाह 23:29

4.परमेश्वर का वचन दर्पण के समान है। याकूब 1: 23–25

5.परमेश्वर का वचन जल के समान है। इफिसियों 5:26

6.परमेश्वर का वचन बीज के समान है। लुका 8:11

7.परमेश्वर का वचन उध्दार की टोप और आत्मा की तलवार के समान है। इफिसियो 6:17

8.परमेश्वर का वचन दीपक के समान है। भजनसहिता 119:105

9.परमेश्वर का वचन दुध के समान है। 1 पतरस 2:2

10.परमेश्वर का वचन सोना और कुन्दन से बढकर।भजनसहिता 19:10

11. परमेश्वर का वचन आत्मिक भोजन के समान। यिर्मयाह 15:16

सि.सोनाली वानखेडे

DISCIPLESHIP TRAINING CENTRE

Acts Foundation, Potter's House Church ,3rd Lane, Madhuban, Sangvi Pune- 27 Ph.9850833779 ;contact@actsministry.in

बाइबल सिद्धान्त / Bible Doctrine

अंक:1 *Course-2* *July 2009* मुल्य:10 रु

संपादकीय

प्रिय पाठको,
उध्दारकर्ता प्रभु यीशु नासरी के नाम मे इस पवित्र शास्त्र बाइबल के अध्ययन की इस श्रुखंला मे मैं आपका स्वागत करता हुँ। पवित्र आत्मा के बोझ के द्वारा यह दुसरा पाठयकम कि शुरूवात मे कर रहा हूँ। इस पाठयकम के द्वारा मेरी मनसा प्रभु यीशु मसीह के और करीब आपको लाना है और कुछ महत्वपूर्ण विषय मे परमेश्वर का वचन क्या सिखाता है उसे दर्शाना। इस पाठयकम को मैने बाइबल सिध्दान्त नाम दिया है।

कई विश्वासीयो को प्रभु यीशु मसीह को पहचानने के बावजुद बाइबल के कुछ घटको या विषय के बारे मे अपने– अपने विचार है जो शायद गलत भी हो सकते हैं। हम बाइबल के कुछ विषय के बारे मे क्या सोचते है उससे महत्वपूर्ण यह है कि खुद बाइबल उस विषय के बारे मे क्या कहती है यह है इस पाठयकम की श्रुखंला मे हम यह सिखने की कोशिश करेंगे की बाइबल के कुछ महत्वपूर्ण विषयो के बारे मे बाइबल क्या कहती है।

हम इस श्रुखंला मे निम्नलिखित विषयो पर प्रकाश डालने की कोशिश करेंग

1.परमेश्वर का वचन परमेश्वर के बार में क्या सिखात है
2.परमेश्वर का वचन अपने बारे में क्या सिखाता है
3.परमेश्वर का वचन मसीह के बारे में क्या सिखाता है
4.परमेश्वर का वचन पवित्र आत्मा के बारे में क्या सिखाता है
5.परमेश्वर का वचन फरिश्तो और बदरूहो के बारे में क्या सिखाता है
6.परमेश्वर का वचन मनुष्य के बारे में क्या सिखाता है
7.परमेश्वर का वचन पाप के बारे मे क्या सिखाता है
8.परमेश्वर का वचन कलीसीया के बारे में क्या सिखाता है
9.परमेश्वर का वचन आखिरी दिनों के बारे में क्या सिखाता है ।

इस पाठयकम की पुरी श्रुखंला के हम 9 विषयों पर कुल 55 अध्यायो का अध्ययन करने वाले हैं ।प्रभु आपको इस पाठयकम को समझनेकी बुध्दी और ज्ञान दे।

रेव्ह.विनय दुबे
संस्थापक और वरिष्ठ पास्टर

"जागते रहो और प्रार्थना करते रहो"
प्रार्थना विनंती:
1.फायर कॅम्प 2009 के लिए
2.1000 लोग
3.रु 900,000 की आर्थिक आवश्यकता लिए

विषय–1

परमेश्वर का वचन परमेश्वर के बारे मे क्या सिखाता है।

अध्याय 1

केवल एक ही सच्चा परमेश्वर है।

ऐसी पाँच बाते है जो मनुष्य को 'परमेश्वर के होने का' एहसास दिलाती है। इनमें से कोई भी एक बात अपने आपमें यह साबित नही करती की परमेश्वर है। इन सब बातों को इकट्ठा करके ही परमेश्वर के होने का, उसके काम और उसके सामर्थ्य को साबित किया जा सकता है।

हर एक बात /सबुत एक लकडी की तरह है जिसे कोई भी व्यक्ति तोड़ सकता है परन्तु पॉचो बाते और एक दुसरे को मजबुती प्रदान करती है जिसे कोई भी तोड़ नही सकता।बाइबल कभी भी मनुष्य को यह साबित करने की कोशिश नही करती की परमेश्वर है क्योकि वह है।परन्तु मनुष्य जानता है कि परमेश्वर है क्योंकि वह जानता है सृष्टि मे जो कुछ है उसके उपर कोई तो होगा।फिर भी कुछ मनुष्य आश्चर्य करते है कि कोन परमेश्वर है और उसके बारे में बहुत कुछ जानने की कोशिश करते है।

1.इन्सान अपने चारो और की चीजों को देखकर जानता है की परमेश्वर है

यह संसार कैसे आया? यह अपने आप से नही आया। किसने इसे बनाया?इसमें कोई बात छिपी नही है। परमेश्वर का वचन बताता है की किसने इसे बनाया। "परमेश्वर ने प्रारम्भ में कुछ नही से आसमान और पृथ्वी बनाई" (उत्पती 1:1) उपर आसमान और चारों तरफ धरती इन्सान को यह साबित करती है की किसी ने इसे बनाया है। यह ऐसे ही नही हो गया। जब इन्सान कुछ बनाता है तो वह और चीजों का उपयोग करता है। परन्तु परमेश्वर ने किसी भी चीज का उपयोग नहीं किया। "आऐ हम परमेश्वर की स्तुती करे"। उसके बोलने से ही सब बातें हो गई। (भजनसहिंता 148:5) यह सब चींजे जो इन्सान के चारों और है उसे यह नही बताती की दुनिया किसने बनाई। परन्तु उसे यह जरूर बताती है की जिसने भी बनाया वो बहुत महान है। सब चींजे जो इन्सान के चारों और है उसे यह नही बताती की दुनिया किसने बनाई। परन्तु उसे यह जरूर बताती है की जिसने भी बनाया वो बहुत महान है।

2.इन्सान जानता है की परमेश्वर है क्योंकी सब बाते योजना के अनुसार हो रही है :–

पृथ्वी, सूरज और चाँद के बारे में सोचिये। वे एक दुसरेसे टकराते नही। वे साल–ब–साल योजना के अनुसार घुमते रहते है। सैकडों सितारे योजना के अनुसार उनके स्थान पर लगाए गए। रात और दिन योजना के अनुसार आते और जाते है। मौसम योजना के अनुसार समय समय पर बदलते हैं। जिसने यह सब योजना के अनुसार बनाया वो कितना बुध्दीमान है। भजनसहिता 19:1 मे हम पढते है "आकाश परमेश्वर की महिमा वर्णन कर रहा है"।

रोमियों 1:20 में लिखा है "इन्सान यह नही कह सकता की वह परमश्वेर के बारे में नही जानता, दुनिया के शुरूवात ही से ही इन्सान यह देख सकता था की जिसने सब कुछ बनाया वह परमेश्वर कैसा है। इससे उसकी सामर्थ्य का पता चलता है वो हमेशा का है। यह दिखाता है की परमेश्वर है।

3.जिस प्रकार से इन्सान को बनाया इससे इन्सान को मालुम होता है की परमेश्वर है।

जिसने इन्सान को बनाया वह खुद इन्सान से कितना उपर है। इन्सान जान सकता है, महसुस कर सकता है और काम भी कर सकता है। इन्सान के अन्दर ऐसा कुछ है जो उसे बताता है की उसने कुछ गलत किया है। वो न केवल मांस, लहू, और हड्डीयाँ है, वह सही और गलत का भेदभाव भी कर सकता है। यह सब उसे बताती है की एक सर्व शक्तिमान परमेश्वर है जिसने मनुष्य को बनाया और उसपर राज्य करता है। जब मैं दृष्टी को उपर उठाकर तेरे आसमान को देखता हूँ, तेरी उँगलियॉ की कृती, चाँद और तारे, जो तूने उनकी जगह पर ठहराया वो दिखाई देते है। इन्सान क्या है की तू उसकी सुधि लेता है, इन्सान का पुत्र क्या है जिसकी तू परवाह करता है?तूने तो उसे फरिश्तोसे थोडा कम बनाया है और उसे महानता और आदर का मुकुट दिया है। तूने उसे अपने हाथो से सृष्टी की गई सब चीजों के उपर राज्य करने के लिये दिया है। तू उसके पैरों के नीचे सब डाल देता है। सारी भेड–बकरी, सभी जंगली जानवर, आसमान मे उडने वाले पक्षी, समुद्र की मछलियाँ और सभी जो समुद्र में चलता फिरता है। हे परमश्वेर परमपिता, तेरा नाम कितना ही महान है। (भजनसहिता 8:3–9)

4.मनुष्य जानता है की परमेश्वर है क्योंकि बीती हुई बाते उसे बताती है।

मनुष्य जानता है की परमेश्वर है। पहले के प्रचारकों ने बताया था की कुछ बाते भविष्य मे होंगी, और वो हुई भी। परमेश्वर इस दुनिया में मनुष्य के लिये कुछ आवश्यक कार्य करने के लिये एक सामर्थ्य के द्वारा आया। मसीह के चेलों ने सुसमाचार को इस दुनिया में फैलाने के लिये सालों से कार्य किया है। मनुष्य का जीवन मसीह पर विश्वास करने से बदल गया है। पापी इन्सान परमेश्वर के बनाये चीजों को कभी नष्ट नही कर पाया है। यह सब बाते परमेश्वर के सामर्थ्य और कार्य के द्वारा ही हो सकती है। (भजनसहिता 2:2–4)

5.मनुष्य जानता है की परमेश्वर है क्योंकि उसे परमेश्वर की जरूरत है

हर मनुष्य यह जानता है की उसने अपने जीवन में कुछ गलत किया है। वह उसे'पाप' न कहता हो, पर उसके अन्दर एक अन्तरात्मा है। हर एक व्यक्ति यह जानता है की कोई एक है जो एकदम